



रईस बाप की बिगड़ी हुई औलाद- 2

“ फुल नाईट सेक्स इन होटल का मजा एक अमीर लड़की ने अपनी क्लास के एक लड़के से लिया. वे एक टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बहाने होटल में आये थे.

”

...

Story By: सनी वर्मा (sunnyverma)

Posted: Thursday, August 29th, 2024

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [रईस बाप की बिगड़ी हुई औलाद- 2](#)

रईस बाप की बिगड़ी हुई औलाद- 2

फुल नाईट सेक्स इन होटल का मजा एक अमीर लड़की ने अपनी क्लास के एक लड़के से लिया. वे एक टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बहाने होटल में आये थे.

कहानी के पहले भाग

बिगडैल लड़की ने क्लासमेट से चुदवा लिया

में आपने पढ़ा कि अमीर बाप की बेटी ने अपनी कक्षा के एक मेधावी लड़के से दोस्ती करके अवसर पाते ही उसके साथ सेक्स कर लिया.

अब आगे फुल नाईट सेक्स इन होटल :

अगले हफ्ते निमिषा कॉलेज टूर में ट्रेन से लखनऊ चली गयी.

उसने यहीं से ही अपने लिए एक अच्छे होटल में रूम बुक करवा लिया था.

लखनऊ पहुंचकर उसने दो घंटे बाद जानकी नाथ को उनके ऑफिस में फोन किया और बड़ी रोनी आवाज में उनसे कहा- पापा, मम्मी ठीक कह रही थीं. ये होटल तो इतना घटिया है जैसे आपके सर्वेंट क्वार्टर. मैं तो वापिस आ रही हूँ. क्योंकि अकेली किसी और होटल में रुकूंगी तो मम्मी अपसेट हो जायेंगी.

जानकी नाथ बोले- तुम जिद करती हो. अब मैं तुम्हारी मम्मी से कहूंगा तो वह मुझसे भी नाराज होगी.

निमिषा बोली- अगर आप परमिट करें तो मैं किसी अच्छे होटल में स्टे कर लेती हूँ. पर प्लीज़ मम्मी से मत कहिएगा. मेरे साथ मेरी एक सहेली भी रुक जायेगी.

हँसते हुए रईस जानकी नाथ ने इसकी इजाजत दे दी.

अब अगला फोन निमिषा ने अपनी मम्मी को किया- मैं अच्छे से पहुँच गयी हूँ. यहाँ फोन ज्यादा यूज़ नहीं कर सकते. मैं सुबह शाम आपको फोन कर दूँगी, आप फोन मत करना. क्योंकि नहीं उठा तो फिर आप टीचर्स को करोगी या परेशान होओगी.

सारी सेटिंग ठीक हो गयी.

शुचित ने भी अपने कोच से कह दिया कि वह रात को अपनी मौसी के घर जाएगा और लेट आयेगा.

निमिषा ने अपने कोच से जानकी नाथ की बात कराके उनसे कहलवा दिया कि निमिषा अलग होटल में स्टे करेगी.

बाप ने कहा है तो कोच को भी क्या तकलीफ थी.

दिन भर के खेलों से थके हारे सभी खिलाड़ी शाम को मस्ती लेने के लिए बाहर ग्राउंड में इकट्ठे हुए. जहाँ नाच गाने और मनोरंजन के बहुत साधन थे.

निमिषा अपने कोच से कहकर कैम्पस से बाहर निकल ली और टैक्सी लेकर अपने सामान के साथ सीधे होटल पहुंची.

होटल रूम उसके नाम से बुक था ही.

तभी शुचित भी अपना बेग लटकाए आ गया.

निमिषा ने रिसेप्शन पर कह दिया- ये मेरे गेस्ट हैं, थोड़ी देर रुक कर चले जायेंगे.

दोनों रूम में आ गए.

निमिषा ने डिनर का आर्डर दे रखा था कि दस बजे करीब सर्व हो. अभी तो 8 ही बजे थे.

डोर लॉक होते ही निमिषा लिपट गयी शुचित से.

शुचित ने भी कस के भींच लिया और अपने से, दोनों के होंठ ऐसे चिपके जैसे बरसों से बिछड़े हों.

निमिषा छोड़ ही नहीं रही थी शुचित को.

उसने शुचित की शर्ट उतार दी और शुचित की नंगी छाती पको चूमने लगी.

शुचित उसे अपने से चिपटाते हुए बोला- जल्दी क्या है, आज तो पूरी रात हमारी है.

निमिषा बोली- पूरी रात नहीं! पर हाँ, फिर भी देर रात तक तो तुम रुक ही सकते हो.

शुचित ने उसका पूरा चेहरा चूम चाट कर गीला के दिया था.

निमिषा को सांस भी नहीं लेने दे रहा था वो!

अब निमिषा ने दीवार की तरफ मुंह किया तो शुचित ने पीछे से उसे भींच लिया और हाथ आगे करके निमिषा की शर्ट के बटन खोल दिए और स्कर्ट भी नीचे कर दी.

शुचित ने अपनी जींस भी उतार दी.

निमिषा केवल ब्रा पेंटी में थी.

शुचित की जीभ उसके मखमली जिस्म पर घूम रही थी.

अचानक शुचित ने निमिषा की ब्रा का हुक खोल दिया.

निमिषा ने ब्रा को गिरने से रोका.

पर शुचित ने हाथ आगे करके ब्रा को उसकी पकड़ से आज़ाद कर दिया.

अब निमिषा के मम्मे शुचित के कब्जे में थे.

निमिषा ने सर घुमाया तो शुचित ने उसके होंठों से होंठ मिला दिए.

अब निमिषा भी पलट गयी.

शुचित ने उसे गोद में उठा लिया और वाशरूम में ले गया.

निमिषा उसकी गोद में लटके उसे लिप लॉक करने लगी.

दोनों शावर के नीचे खड़े हो गए. दोनों पर अब चुदास हावी थी.

शुचित ने निमिषा को नीचे उतारा और खड़े खड़े ही अपना लंड उसकी चूत में घुसाने की कोशिश की.

एक दो बार की कोशिश के बाद जब उसे कामयाबी नहीं मिली तो निमिषा बोली- चलो बेड पर चलते हैं.

शुचित उसे टॉवेल से लिपटा कर गोदे में उठाये बेड पर ले चला.

अब निमिषा को बिना चुदे चैन कहाँ ... वह उसकी गोदी से उतरी और नीचे बैठकर उसने शुचित का लंड अपने कब्जे में किया और लगी चूसने !

शुचित भी उसकी गोलाइयां मसल रहा था.

अब शुचित ने निमिषा को बेड पर जाने को कहा तो निमिषा ने बेड पर लेटते ही उसने अपनी टांगें चौड़ा दीं.

निमिषा पूरी तैयारी से आई थी.

उसका जिस्म मखमली हो रहा था और गुलाबी चूत तो गुलाब की पंखुड़ी जसी चमक रही थी.

शुचित को उसकी उठी हुई चूत ऐसा अहसास दे रही थी कि गुलाबी रंग की पावरोटी हो.

तभी शुचित ने उसकी टांगों और चौड़ायों और अपना मुंह उसकी गुफा के मुंहाने पर रख दिया.

अब शुचित की जीभ गुफा के अंदर घुस चुकी थी और उसके हाथ निमिषा की गोलाइयों को टटोल रहे थे.

निमिषा कसमसा रही थी.

उसने अपने हाथों से शुचित का सर पकड़ कर उसे और अंदर की ओर धकेला.

शुचित की जीभ अंदर मचल रही थी.

निमिषा ने अपनी उंगलियों से अपनी फांकों को और चौड़ाया जिससे शुचित की जीभ और अंदर जा सके.

साथ में निमिषा भी शुचित का लंड चूसना चाह रही थी तो उसने शुचित को 69 होने के लिए कहा और बेड पर ऊपर खिसक गयी.

अब शुचित 69 पोजीशन में हुआ तो उसका फनफनाता औज़ार निमिषा के मुंह में था.

शुचित का लंड पूरा तना हुआ था तो निमिषा उसे पूरा अंदर नहीं ले पा रही थी.

उसके मुंह से गों गों की सी आवाज निकल रही थी.

पर निमिषा ने मजबूती से उसका लंड पकड़ा हुआ था.

जब उसकी सांस घुटती तो वह लंड को बाहर निकल कर अपने हाथ से खूब जोर जोर से रगड़ती.

अब शुचित को भी लगने लगा कि अब लंड को निमिषा की पकड़ से आज़ाद करा कर चुदाई में लगना जरूरी है वरना निमिषा को उसे मुंह में ही खलास कर देगी.

उसने अपने को इजी किया.

बेड से नीचे उतरकर उसने निमिषा को थोड़ा सा नीचे खींचा और उसकी टाँगें चौड़ा कर अपना मूसल पेल दिया उसकी चूत में !

उसका शॉट मजबूत था ... निमिषा की चीख निकल गयी.

पर शुचित ने एक साथ धक्के बढ़ा दिये.

नीचे खड़ा होने से उसके घुटनों को बेड सहारा मिल रहा था तो धक्कों का जोर ज्यादा था.

अब पेलमपेल के दूसरे दौर में शुचित ने निमिषा को ऊपर धकेला और बेड पर चढ़ कर निमिषा की टाँगों को टखनों से पकड़ कर पूरा ऊपर उठा दिया.

निमिषा की चूत की फाँकें उसके लंड के बिलकुल सामने थीं.

शुचित ने बिना देर किये पूरी बेदर्री से पेल दिया दुबारा निमिषा की चूत में ... और अपनी चुदाई एक्सप्रेस को पूरी स्पीड दे दी.

निमिषा की आह आऊच और कसमसाहट भरी आवाजें पूरे कमरे में गूँज रही थीं.

आज शुचित चुदाई का कोई मौक़ा नहीं छोड़ना चाहता था.

उसे लग रहा था कि शायद आज की चुदाई उसकी और निमिषा की आखिरी चुदाई हो.

क्योंकि उसे आज ही मालूम पड़ा है कि उसका एम बी ए में एडमिशन हो गया है. उसे एक्साम ख़त्म होते ही वहां ज्वाइन करना होगा.

अभी उसने यह बात किसी को भी नहीं बतायी थी.

खैर अब निमिषा की चुदास पूरी भड़क चुकी थी. वह मदहोश सी हो रही थी.

उसने शुचित को नीचे आने को कहा.

अपने बालों की जूड़ी सी बनाकर बांधते हुए वह शुचित के ऊपर चढ़ गयी और अपने हाथ से उसका लंड अपनी चूत में सेट करके लगी उछल उछल कर उसकी चुदाई करने.

अब निमिषा और शुचित का होने को ही था.
दोनों के मुंह से झाग जैसे पानी निकल रहा था.

शुचित तो बस 'आह उह' तक सीमित था, पर निमिषा की बकवास की तो झड़ी लगी थी.

आज पहला मौका था जब उनकी चुदाई बिना किसी डर के हो रही थी.
बड़ी बेफिक्री थी दोनों के मन में!

न कोई आने वाला था, न कोई टोकने वाला.

होटल वालों को अच्छे से मालूम होता है कि एक जवान जोड़ा अगर रूम में हो तो वहां क्या हो रहा होगा.

निमिषा की उछाल की स्पीड धीमी होती गयी.
उसने शुचित की छाती पर अपने लम्बे नाखूनों से खरोंच के निशाँ बना दिए थे.

फुल नाईट सेक्स इन होटल में एक झटके में निमिषा शुचित की छाती पर लुढ़क गयी.
शुचित ने उसे चूमते हुए चिपटा लिया अपने से!

थोड़ी देर में दोनों खड़े हुए, वाशरूम जाकर अपने को सही किया, कपड़े पहने.

निमिषा ने कॉफ़ी बना ली और साथ ही रिमाइंड कर दिया डिनर के लिए!

कॉफ़ी पीते पीते शुचित ने निमिषा को अपने एडमिशन की बात बता दी.

निमिषा को एक झटका तो लगा, पर उसे भी मालूम था कि उसकी शादी तो शुचित से होगी नहीं!

तो फिर अच्छा है जितना जल्दी शुचित उसकी जिन्दगी से दूर चला जाए.

निमिषा बहुत शातिर दिमाग थी.

उसको यह अच्छे से पता था कि उसकी लाइफ स्टाइल को शुचित अपफोर्ड नहीं कर सकता.

डिनर के बाद निमिषा का तो मन था की एक चुदाई का सेशन और हो जाए!

पर समय का भी ख्याल रखना था.

निमिषा ने लिपट कर चूमते हुए शुचित को विदा किया.

अब अगले महीने फाइनल एग्जाम थे.

शुचित निमिषा के बुलाने पर भी टाल देता था आना!

उसका दिमाग इस समय सिर्फ एग्जाम पर केन्द्रित था.

एक्साम से फारिग होकर शुचित और निमिषा एक बार और मिले.

पर सेक्स का कोई मौक़ा नहीं बन पाया.

हालाँकि चुदाई की चुल्ल दोनों को उठ रही थी.

शुचित अपना बोरिया बिस्तर संभाल अहमदाबाद चला गया.

निमिषा के बाप ने पैसे के बल पर उसका एडमिशन फैशन डिजाइनिंग के डिप्लोमा कोर्स में करा दिया.

अब निमिषा को अपने मामा के पास दिल्ली में रहना पड़ा जहां उसको बिलकुल भी

आजादी नहीं मिली.

तो निमिषा अगले दो साल लंड का स्वाद तो नहीं चख पायी.

पर अपनी क्लास की एक दो लड़कियों के साथ उनकी चूत चाट कर लेस्बियन बन कर सेक्स का आनंद लेती रही.

दो साल ऐसे ही निकल गए.

शुचित से उसके फोन काल बिलकुल बंद थे.

निमिषा बार बार उसकी चुदाई को मिस करती.

पर शुचित ने अपना सिम बदल लिया था और अब वह निमिषा की पहुँच से दूर था.

निमिषा के रंग ढंग और उसकी हरकतों का एहसास अब जानकीनाथ को भी हो गया था.

उन्होंने उसका डिप्लोमा खत्म होते ही उसकी शादी की बात चलानी शुरू की.

पर इतनी तेज तर्रार लड़की को कोई घर मिलना आसान नहीं था.

जानकी नाथ के एक पुराने मित्र ने अपने लड़के विजय का प्रस्ताव जानकीनाथ को दिया.

विजय की एक कोस्मेटिक्स बनाने की नामी कम्पनी थी.

इस रिश्ते में और कोई खास बात नहीं थी, सिवाय इसके कि विजय बहुत पैसे वाला था.

विजय निमिषा से उम्र में लगभग दस साल बड़ा था पर जायदाद और व्यापार के नाम पर जानकी नाथ उसके सामने बौने थे.

निमिषा को भी ये समझ आ गया कि कोई बिगड़ेल रईसजादा ही उसके शौक पूरे कर सकता है.

साथ ही निमिषा का हुस्न और अदाएं विजय को पागल कर गयीं.

उनकी शादी खूब धूम धड़ाके से हुई.

विजय का पूरा खानदान और दोस्त पक्के दारुबाज़ थे.

निमिषा ने ये सोच कर सब बर्दाश्त कर लिया कि यह तो बड़े लोगों का फेशन है और उनकी पहचान है.

सुहागरात पर भी निमिषा के हाथ कुछ नहीं लगा.

विजय का लंड लंबा तो था पर नशे में होने से विजय बिना कुछ किये ही आउट हो गया.

निमिषा को पूरी रात उंगली करके ही काटनी पड़ी.

तो दोस्तो कैसी लगा आपको फुल नाईट सेक्स इन होटल ?

लिखिएगा मुझे मेरी मेल आईडी पर

enjoysunny6969@gmail.com

फुल नाईट सेक्स इन होटल कहानी का अगला भाग : [रईस बाप की बिगड़ी हुई औलाद- 3](#)

Other stories you may be interested in

रईस बाप की बिगड़ी हुई औलाद- 3

चीट वाइफ सेक्स कहानी में जब एक लड़की को शादी के बाद पति से चुदाई का सुख नहीं मिला तो उसने अपने पुराने प्रेमी की तलाश की और उसके साथ चुदाई का मजा लेने का प्लान बनाया. कहानी के दूसरे [...]

[Full Story >>>](#)

मुंबई जाकर मैं बन गई रंडी- 5

श्री होल सेक्स कहानी में मैं कॉल गर्ल बन गयी, मैंने खुद को 3 दिन के लिए बेच दिया. तीसरे दिन मुझे 3 मर्दों ने चोदा. एक साथ मेरे तीनों छेदों में 3 लंड घुसे. कहानी के पिछले भाग मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

मुंबई जाकर मैं बन गई रंडी- 4

माय फर्स्ट ऐनल सेक्स तब हुआ जब मैं पहली बार कॉल गर्ल बनकर अपने ग्राहक के पास गयी थी 3 दिन के लिए. पहली रात उसने मेरी चूत फाड़ी, दूसरी रात मेरी गांड का काम तमाम हुआ. नमस्कार दोस्तो, मैं [...]

[Full Story >>>](#)

रईस बाप की बिगड़ी हुई औलाद- 1

Xxx इंडियन लड़की सेक्स कहानी में एक अमीर लड़की ने अपनी क्लास के एक प्रतिभाशाली लड़के से दोस्ती की और मौका मिलते ही उसके साथ सेक्स का मजा ले लिया. दोस्तो, आपको मेरी कहानी बहुत पसंद आती है, ये आप [...]

[Full Story >>>](#)

मुंबई जाकर मैं बन गई रंडी- 3

वर्जिन पुसी सेक्स कहानी में मैं अपने पहले ग्राहक के साथ अपनी पहली चुदाई का इन्तजार कर रही थी. वह मेरी कुंवारी चूत चाट कर मजा ले चुका था, अब मेरी चूत फटने वाली है. कहानी के दूसरे भाग मैंने [...]

[Full Story >>>](#)

